प्र०→ 712 ई० में सिंध पर हुए अरब आक्रमण के प्रभावों का परीक्षण करें।

उत्तर→ मोहम्मद-बीन-कासीम सिन्ध विजय के पश्चात थोड़े ही समय जीवित रहा परन्तु उसने सिन्ध में अपनी शासन-व्यवस्था स्थापित करने का प्रयास किया। उसने सम्पूर्ण विजित प्रदेश को अनेक जिलों में विभाजित कर दिया और वहाँ का प्रशासन अरब अफसरों के हाथों में दे दिया। अरबों की सिन्ध विजय का कोई स्थायी प्रभाव इस देश पर नहीं पड़ा। इतिहासकार लेनपूल ने लिखा है- "अरबों की सिन्ध-विजय भारतीय इतिहास की एक घटना मात्र है- इस प्रकार की विजय जिसका कोई परिणाम नहीं हुआ। यह ठीक है कि राजनैतिक, सामाजिक, धार्मिक और सांस्कृतिक क्षेत्र में अरबों की सिन्ध विजय का कोई स्थायी प्रभाव नहीं पड़ा, परन्तु यह कहना है कि अरबों की सिन्ध विजय व्यर्थ थी, उचित नहीं प्रतीत होता। सिंध पर अरब आक्रमण के प्रभाव निम्नलिखित हैं-

① राजनीतिक प्रभाव:→

अरबो की सिन्ध-विजय राजनीतिक दृष्टि से विशेष महत्वपूर्ण नहीं है। इस विजय का भारत में मुस्लिम साम्राज्य की स्थापना में विशेष योगदान नहीं दिया। यद्यपि यह ठीक है कि अरबों ने सिन्ध पर विजय प्राप्त की परन्तु वह छोटे-छोटे राज्य बहुत समय से भारत में चले आ रहे थे, अब भी बने रहे। उनकी शक्ति भी वैसी ही बनी रही।

② सामाजिक प्रभाव:→

सिन्ध पर अरब विजय का कोई विशेष सामाजिक प्रभाव नहीं पड़ा। अरब कबीले बड़े बड़े नगरों में बस गए और उनमें से बहुतों ने वैवाहिक संबंध भी स्थापित कर लिए। परन्तु कालान्तर में खलीफाओं की उदासीनता और आपसी ईर्ष्या के फलस्वरूप अरब भारतीय समाज को प्रभावित न करसके

हिन्दुओं ने मुसलमानों से मिलने का कभी प्रयास नहीं किया क्योंकि उन्होंने अरबों को बर्बर और असभ्य समझा। दूसरी ओर मुसलमान इतने कट्टर थे कि उन्होंने हिन्दुओं से हाथ मिलाना धर्म के लिए अच्छा नहीं समझा। भारत की परम्पराओं आदि पर भी अरबों ने स्थायी प्रभाव नहीं डाला।

(iii) धार्मिक प्रभाव :→

धार्मिक क्षेत्र में भी अरब भारतवासियों को प्रभावित न कर सके। उन्होंने तलवार के जोर पर इस्लाम का प्रचार करना चाहा परन्तु उसमें उन्हें विशेष सफलता नहीं मिली। सिन्ध के निवासियों ने इस्लाम की अपेक्षा मृत्यु को स्वीकार किया। इसलिए अरबों को हिन्दुओं से केवल जजिया लेकर ही सन्तुष्ट रहना पड़ा और उन्हें अपनी देवी-देवताओं की आराधना की स्वतन्त्रता प्रदान कर दी।

(iv) आर्थिक प्रभाव :→

अरबों की सिन्ध विजय के फलस्वरूप भारत की कृषि और व्यापार की अवस्था पर कोई विशेष असर नहीं पड़ा। अरबों ने बहुत से हिन्दुओं की भूमि को छीनकर मुसलमानों को दिया और हिन्दुओं का प्रमुख दस्तकारी, खेती और व्यापार ही रहा। यद्यपि मुसलमानों ने हिन्दुओं को आर्थिक दृष्टि से खोखला करने का प्रयास किया परन्तु वे ऐसा करने में सफल नहीं हो सके क्योंकि खेती और व्यापार जो अर्थ के मुख्य साधन थे, हिन्दुओं के ही हाथ में रहे।

(v) सांस्कृतिक प्रभाव :→

सांस्कृतिक दृष्टि से हिन्दू अरबों की अपेक्षा अधिक उन्नति कर

Scanned with CamScanner

गये थे। जब अरबवाली भारत आए तो यहाँ के विद्वानों, दार्शनिकों, गायकों और अन्य कलाकारों की योग्यता को देखकर आश्चर्यचकित हो गए। इसलिए सांस्कृतिक क्षेत्र में भारतीयों को सिखाने के बजाय स्वयं में वह भारतीयों के शिष्य बन गए। भारत के बहुत से विद्वान, दार्शनिक, ज्योतिषी वैज्ञानिक और कलाकार उनके देश में आमंत्रित किए गए और वहां जाकर इन भारतीय विद्वानों ने चिकित्सा, रसायन, दर्शन और ज्योतिष आदि अनेक संस्कृत के ग्रंथों को अरबी में अनुवाद किया और उनके देश में साहित्यिक एवं कलात्मक भंडार को समृद्धशाली बनाया।

निष्कर्षतः हम कह सकते हैं कि राजनैतिक, सामाजिक, धार्मिक और सांस्कृतिक क्षेत्र में अरबों की सिन्ध विजय का अत्यधिक प्रभाव नहीं पड़ा। फिर भी भारत पर कुछ-न-कुछ प्रभाव पड़ा।